जिले भर में माता मंदिरों पर भक्तों ने हजारों मीटर की चुनरी अर्पित की, पैदल हाथों में चुनरी के तले अपनी आस्थाएं शक्ति को भेंट चढ़ा रहे, बच्चे, बुजुर्गों में उत्साह

रंग तेरी प्रीत का, माई तेरी चुनरिया लहराई !

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 28 सितम्बर. रविवार को राजगढ़ में हिन्दू चेतना मंच और विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 15 वर्षों से जारी परंपरानुसार विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई. चुनरी यात्रा का साक्षी बनकर उसमें अपनी भागीदारी निभाने जन सैलाब उमड़ पड़ा. हजारों श्रद्धालुओं ने करीब 6 किलोमीटर पैदल चलकर माँ जालपा देवी को 1111 मीटर लम्बी चुनर ओढ़ाई. राजमहल प्रांगण से कन्या पाद पूजा और आरती के साथ यात्रा का परंपरागत शुभारंभ हुआ. चुनरी यात्रा में बैंडबाजे, डीजे, ढोल नगाड़ो की धुन पर युवा जमकर नाचे. चुनरी यात्रा बड़ चौक, मैन मार्केट, नाक न 3, बायपास रोड, खिलचीपुर नाका होते हुए पहाड़ी पर स्थित सिद्ध पीठ माँ जालपा के धाम पहुंची. जगह- जगह श्रदालुओं, व्यापारियों, झांकी समितियों, राजनैतिक, सामाजिक, सेवाभावी संगठनों के सदस्यों के द्वारा पुष्पवर्षा कर जल पान और फलहार वितरण के साथ स्वागत किया गया. हिन्दू चेतना मंच के अध्यक्ष बृज मोहन सरावत, विश्व हिन्दू परिषद के तेजेन्द्र उपाध्याय, मयंक जायसवाल, लखन गुर्जर ने सफल आयोजन पर जनमानस के प्रति आभार माना है.

नगर के साथ राज्यमंत्री टेटवाल चुनरी लेकर पहुंचे भैंसवाधाम

नवभारत न्यूज, सारंगपुर 28 सितम्बर, सं. हिन्दू समाज मां जगदंबा चुनर यात्रा समिति के तत्वाधान में रविवार को राज्य मंत्री डॉ गौतम टेटवाल एवं चुनर यात्रा प्रभारी अशोक साहू के नेतृत्व में बागकुआ टंकी स्थित शीतला माता मंदिर अंबे माता होते हुए मां बिजासन भैंसवा माता धाम तक विशाल संगीतमय चुनरयात्रा निकाली गई . बागकुंआ टंकी स्थित शीतला माता मंदिर में राज्यमंत्री डॉ गौतम टेटवाल, हिउस समिति अध्यक्ष डॉ ध्रुव भल्ला, नपाध्यक्ष पंकज पालीवाल, ओम पुष्पद, चुनर यात्रा प्रभारी अशोक साहू, अमित पुष्पद, आनंद जोशी, मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, धर्मेन्द्र गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष भावना निलेश वर्मा, अनिल बारकिया आदि ने पूजा अर्चना की . अंबे माता मंदिर पर अंबिका माता की पूजा उपरांत विभिन्न मार्गों से मां बिजासन धाम पहुंची . हजारों महिला पुरुष बच्चों ने मां बिजासन को 51 मीटर की चुनरी अर्पित की .

मां आशापुरी धाम पड़ाना

छापीहेड़ा चुनरी यात्रा

ब्यावरा में भव्य चुनरी यात्रा आज

नवभारत न्यूज, ब्यावरा 28 सितंबर, का . नगर में आज विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी . चुनरी यात्रा में शामिल होने नगर भर में आमंत्रण दिए गये है . शाम 5 बजे शीतला माता मंदिर से पूजा अर्चना, महाआरती पश्चात चुनरी यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए माँ वैष्णोदेवी मंदिर धाम पहुंचेगी . चुनरी यात्रा की संयोजिका पार्षद रुचि रवि बड़ोने तथा सह संयोजिका वर्षा मंगल एवं लाडकुंवर केलवा है . हिन्दू उत्सव समिति के सदस्यों द्वारा कई दिनों से नागरिको से अधिकाधिक संख्या में चुनरी यात्रा में शामिल होने हेतु आमंत्रण दिया जा रहा है .

मां आशापुरी को 121 मीटर की चुनरी अर्पित की

नवभारत न्यूज, पडाना 28 सितब्बर, सं . शारदेय नवरात्र पर्व को लेकर ग्रामीण जन सहयोग से पहली बार नगर से 1 किलोमीटर दूर जंगल के दक्षिण दिशा में स्थित स्टेट कालीन के पूर्व से स्थापित मां आशापुरी मंदिर चुनार चढ़ाई गई . इसके पहले प्रति शारदेय नवरात्र पर्व के दौरान चुनर यात्रा भेसवा माताजी धाम पहुंचती थी . नगर में पहली बार आशापुरी चुनर यात्रा धार्मिक आयोजन मे ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया . जिसको लेकर रविवार 10 .30 बजे के दरमियान सदर बाजार मेन रोड पर स्थित बैंक वाली मां अंबे माता मंदिर से 121 मीटर की चुनर यात्रा प्रारंभ की जो नगर परिक्रमा करते हुए मां आशापुरी मंदिर परिसर पहुंची . मंदिर पुजारी संजीव शर्मा, सोनू शर्मा, ललित शर्मा इत्यादि के द्वारा मां आशापुरी का कात्यानी श्रृंगार एवं पूजा कर शहद गुड हलवा का भोग लगाया . राकेश पाटीदार से विधिवत पूजन संपन्न करवाई गई . तत्पश्चात प्रसाद वितरण की गई .

जीरापुर में मां जागेश्वरी को चुनरी ओढ़ाई

जीरापुर 28 सितम्बर, सं. शिव परिवार सेवा समिति द्वारा नगर के पुलिस थाना परिसर स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर से चुनर यात्रा निकाली गई , चुनर यात्रा पं. अनुराग शर्मा आचार्य के सानिध्य में शुरू हुई. जिसकी पुजा अर्चना विधायक हजारीलाल दांगी ने की.चुनर यात्रा में बड़ी संख्या में भक्त जन महिला पुरुष युवाओं शामिल हुए जो नगर के जवाहर चौक बुधवारिया बाजार चौपड़ा बाजार से शिव चौक जागेश्वरी मंदिर में पहुंची जहां विधी विधान से पूजा अर्चना कर मां जागेश्वरी को चुनर ओढ़ाई.

जीरापुर चुनरी यात्रा

बैंक वाली मां अंबे माता पर हुई महाआरती

पडाना 28 सितब्बर, सं . नगर के सदर बाजार रोड पर स्थित प्राचीन बैंक वाली मां अंबे माता मंदिर पर महा आरती का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाआरती का लाभ ले रहे हैं . महाआरती में पिंटू परमार, सुजल, महेंद्र, लोकेश, रवि, गोविंद पाटीदार, गोविंद सेन, रजत गुप्ता, भावेश गुर्जर, देवेंद्र, राजा गुर्जर, रोहित, विशाल, आलोक, ब्रज, सुनील, प्रदीप, दीपक उपस्थित रहे .

नौवीं बार मां शीतला के आंगन से मां बगलामुखी के दरबार तक चुनरी लेकर पहुंचे

छापीहेड़ा 28 सितब्बर, सं . नवरात्रि पर चुनर यात्रा का दौर चल रहा है प्रतिदिन भक्ति और आस्था की चुनर लेकर मां के अलग-अलग दरबार में जा रहे हैं . शीतला माता मां के आंगन से नो वी चुनर यात्रा 24 किलोमीटर पैदल चलकर मां नौ वी बगलामुखी धाम नलखेड़ा पहुंच कर चूनर चढ़ाई चुनर यात्रा में सोशल मीडिया कॉमेडीयन गोपाल सोलंकी फूफा अटरू वाले आकर नगर में माहौल को आकर्षण का केंद्र बना दिया . सुबह 10 . बजे शीतला माता मंदिर से पूजा अर्चना कर चुनर यात्रा प्रारंभ हुई त्रिपोलिया बाजार, बाजार चौक , बस स्टैंड तालाब परिसर पाटीदार मोहल्ला रामपुरिया बालाजी होकर मां दुर्गा मंदिर पर पूजा अर्चना कर खाता खेड़ी, कंडेली,नांदनी, नयापुरा कालापीपल होते हुए शाम को मां बगलामुखी धाम पहुंची यात्रा में भक्त डीजे की धुन पर जयकारे लगाते नाचते गाते चल रहे थे रास्ते भर पुष्प वर्षा कर स्वल्पाहार करवाया गया मां के दरबार पहुंचकर पूजा अर्चना कर 51 मी चुनर मां को अर्पित की तथा मां आरती की गई महा प्रसादी ग्रहण की .यह आयोजन मां मंगलामुखी चुनर यात्रा समिति छापीहेड़ा द्वारा किया गया .

व्रत, विश्वास और वैभव में रंगे मां के दिव्य पण्डाल

छापीहेड़ा : महाकाली की झांकी आकर्षण का केन्द्र बनीं

नवभारत न्यूज

छापीहेड़ा 28 सितम्बर, सं. प्रति वर्ष अनुसार मां दुर्गेश्वरी के मंदिर से 18 वीं चुनरी यात्रा निकाली गई. शुक्रवार सुबह 11 बजे से मां दुर्गा मंदिर जीरापुर रोड से यात्रा प्रारंभ की जो प्रमुख मार्गो से होते हुए बस स्टैंड पर पहुंची. चुनरी यात्रा में सैकड़ों महिला पुरुष बच्चे भजनों की धुन पर नाचते गाते चल रहे थे. रास्ते में चुनरी यात्रा का स्वागत किया. हनुमान, भोलेनाथ, महाकाली सहित अन्य चालित झांकियां आकर्षण का केंद्र रही. मां बीजासन को 51 मीटर चुनरी भेंट की गई.

नवभारत राजगढ़ . पुलिस लाइन स्थित मनकामनेश्वर मंदिर पर महिला भजन मंडली द्वारा गरबा आयोजन .

गरबा केवल नृत्य नहीं यह शक्ति की आराधना है

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 28 सितम्बर . गरबा केवल नृत्य नहीं है शक्ति की आराधना का पर्व है और इस शक्ति की आराधना के माध्यम से सभी शक्ति स्वरूपा मातृशक्ति अपनी ऊर्जा और शक्ति का संचार कर समाज मे जितनी भी दुष्ट शक्तियां है उनको नष्ट करने का काम नारीशक्ति कर सकती है . उक्त बात राजगढ़ नगर में आयोजित समर्पण गरबा महोत्सव 02 में संघ शताब्दी वर्ष मे संघ के पंच परिवर्तन विषय का प्रतिपादन करते हुए लक्ष्मीनारायण चौहान झिरी प्रान्त सह समरसता संयोजक ने कहा कि संघ के इन पांचो परिवर्तन मे मातृशक्ति की अहम् भूमिका रहने वाली है . उन्होंने कुटुंब प्रबोधन, समरसता, पर्यावरण, पेड़ लगाना, पानी बचाना और पॉलीथिन मिटाना यह काम सभी करेंगे तो आने वाले समय मे वातावरण शुद्ध बना रहेगा . उन्होंने स्व का बोध के बारे में बताया . राजगढ़ नगर मे आगामी 12 अक्टूबर रविवार को नगर एक विशाल अभिनव संघम पथ संचलन निकलने वाला है .

निर्विन्ध्या कॉलेज में विद्यार्थियों ने परंपरागत गरबा किया

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 27 सितम्बर, का. नवरात्रि के पावन अवसर पर स्थानीय निर्विन्ध्या महाविद्यालय में शनिवार को गरबा उत्सव का आयोजन किया गया. शुभारंभ महाविद्यालय के संचालक कुलदीप सक्सेना एवं प्राचार्य डा. यशोवर्धिनी सक्सेना द्वारा दुर्गा माता की पूजा आरती कर किया गया. विद्यार्थियों द्वारा माता रानी के भजनों पर एक से बढ़कर एक आकर्षक गरबा नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई. गरबा उत्सव में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टाफ सहित श्रद्धालुजन शामिल हुए. तत्पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया.

भक्तों पर बरस रही माँ जगदम्बे की कृपा, भक्ति में सराबोर श्रद्धालु

ब्यावरा . नगर में स्थान-स्थान पर आकर्षण, रंगबिरंगी झांकियां लगाई गई है .

नवभारत न्यूज, ब्यावरा 27 सितंबर, का . जिले भर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव श्रद्धा, भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है . नगर, गांव और कस्बो में हर कोई माता रानी की आराधना में लीन है . चुनरी यात्राएं, भजन संध्या, गरबा के आयोजन हो रहे है . नवरात्रि महोत्सव में माता मंदिरों, झांकी पाण्डालो में विशेष धार्मिक अनुष्ठान, आयोजन हो रहे है . जिले भर में नवरात्रि महोत्सव की धूम है . ब्यावरा नगर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव व्यापक स्तर पर परंपरानुसार मनाया जाता है .रात्रि में समूचा नगर आकर्षक विद्युत रोशनी से जगमगा उठता है . पुराना ए .बी .रोड, इंदौर नाका, मुल्तानपुरा, जूना ब्यावरा, जगात चौक, सुठालिया रोड, राजगढ़ रोड, बालाजी मंदिर के समीप, पीपल चौराहा, नपा कॉम्पलेक्स, पुराना बस स्टेण्ड, शहीद कॉलोनी, गुना रोड सहित दर्जनों स्थानों पर झांकी पाण्डाल सजाए गये है .इंदौर नाके से लेकर बस स्टेण्ड तक खिलौने, घर ग्रहस्थी सहित विभिन्न सामग्रियों की दुकाने लगी है . यह नजारा किसी मेले जैसा दिखाई देता है . राजगढ़ स्थित माँ जालपा माता मंदिर धाम एवं सारंगपुर तहसील में स्थित माँ बीजासन माता भैंसवा धाम शक्तिपीठ पर नवरात्रि में हजारों की संख्या में श्रद्धालु रोजाना पहुंच रहे है . माँ वैष्णोदेवी मंदिर, काली माता मंदिर, सिंह वाहिनी मंदिर, कैलामाता मंदिर, संतोषी माता मंदिर, मनकामनेश्वरी माता मंदिर इंदिरा नगर सहित मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लग रही है .

भण्डारों में पहुंचे रहे सैकड़ों श्रद्धालु

सुठालिया 28 सितम्बर, सं. स्थानीय शीतला माता चौराहे पर युवा उत्सव समिति द्वारा मातारानी का पांडाल सजाकर मां अम्बे की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई. यहां आयोजित भंडारे में देर रात्रि तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया. नवरात्रि के अवसर पर सदर बाजार स्थित शीतला माता चौराहे पर युवा उत्सव समिति के द्वारा रविवार छठ को नगर भंडारे का आयोजन किया गया था. देर रात्रि तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की. नवरात्र के दौरान प्रतिदिन यहां फरियाली खिचड़ी खीर की प्रसादी महाआरती पश्चात वितरित की जाती है.

रोचक तथ्य : 1711 में हुआ था घुरेल मठ पर आक्रमण

सदियों से मां हिंगलाज के रूप में पूजी जाती है प्राचीन प्रतिमा

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 23 सितंबर. ब्यावरा-सुठालिया मार्ग पर घुरेल स्थित भगवान पशुपतिनाथ मंदिर धाम पर माँ हिंगलाज का अति प्राचीन मंदिर है. सदियों से यहां माँ हिंगलाज विराजमान है जो अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बरसा रही है. माँ हिंगलाज का स्थान भक्तों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है.

विदित है कि घुरेल धाम पर भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के नीचे की और गुफा में माँ हिंगलाज विराजमान है. जानकारी के अनुसार योगियों का मठ रहा यह स्थान योगियों की प्रमुख तपोभूमि रहा है. मंदिर के पुजारी श्री बद्रीनाथ महाराज के अनुसार मठ के अंतिम योगी बाबा सुजाननाथजी के द्वारा यहां जीवित समाधि ली गईथी.

मनोकामना होती है पूर्ण

घुरेल में विराजमान माँ हिंगलाज का मंदिर भक्तों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है. मान्यता है कि यहां की गई मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है. श्रद्धालु यहां मनोकामना करते समय उल्टा स्वष्तिक बनाते है और जब मनोकामना पूर्ण हो जाती है तो फिर उसी स्वष्तिक को सीधा करते है. भण्डारे एवं प्रसादी वितरण के आयोजन में भी यहां होते रहते है.

विद्यर्मियों ने पहुंचाया था नुकसान

पुजारी बद्रीनाथ महाराज के अनुसार यह स्थान वर्ष 1711 के पूर्व तक योगियों की साधना स्थली रहा है . उनकी ईष्ट देवी माँ हिंगलाज है . उनके द्वारा यहां माँ हिंगलाज के मंदिर की स्थापना की गई थी . बताया जाता है कि वर्ष 1711 में कुछ विद्यार्मियों के द्वारा मठ पर आक्रमण किया था जिसमें मंदिर को भी नुकसान पहुंचा था. माँ हिंगलाज के यहां जोत भी प्रज्जवलित है .

मानस प्रसंग — **महापराक्रमी बाली को अधर्म और अहम से मुक्ति दिलाई, मां सीता की खोज में निकले**

अपने प्रभु से मिले हनुमान, सुग्रीव मैत्री कराई

नवभारत न्यूज

जीरापुर 28 सितम्बर, सं. शिव चौक में आयोजित रामलीला में राम हनुमान का मिलन और हनुमान जी ने राम लक्ष्मण की भेंट उनके राजा सुग्रीव से करवाई. किष्किन्धा वन में हनुमानजी ने विप्र रूप याने ब्राह्मण बनकर भगवान राम लक्ष्मण की परीक्षा लेने पहुंचे जहां पर हनुमानजी ने राम लक्ष्मण को देखकर कहा कि यह अलोकिक छवि तेजस्वी रूप कोई न कोई विशेष शक्ति स्वरूप है और भगवान राम ने जैसे ही अपना परिचय दिया तो हनुमान जी ने राम को साक्षात दण्डवत प्रणाम किया और राजा सुग्रीव से भेंट कराई. जहां पर राम ने सुग्रीव को बताया कि हम दोनों भाई मेरी भार्या सीता को खोजते हुए आ रहे है इस पर सुग्रीव ने कहा कि कोई दुष्ट राक्षस आकाश मार्ग से जा रहा था उसमें एक नारी राम राम पुकार करते जा रहीं थीं.

उन्होंने कुछ आभूषण गिराये थे हे प्रभु आप इन्हें पहचानों फिर राम ने सुग्रीव से पुछा कि आप इस वन में क्यों रह रहे तब बाली ने जो किया वह प्रसंग वर्णन किया. राम ने बाली को मारने का कहते हुए सुग्रीव को बाली के पास भिजवाया बाली को सुग्रीव ने ललकारा. रामलीला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल हो रहे.

परंपरागत संवाद और संगीत से सजा 53 वर्ष पुराना रंगमंच

यहां उल्लेखनीय बात यह भी है कि नगर सहित अंचल के दर्शकों को 53 वर्ष पुरानी रामलीला में रंगमंच पर परंपरागत संवाद शैली और संगीत देखने, सुनने को मिलता है . विरासत के रूप में नगर को मिली यह रामलीला उसी दौर में ले जाने का प्रयास करती है . सादगी और बिना फूहड़ता के साथ यह रामलीला का मंचन आज भी सभी को जोड़े हुए है .